50 वर्ष की हुई सुष्मिता सेन

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री और पूर्व यूनिवर्स सुष्मिता सेन 50 वर्ष की हो गयी. सुष्मिता सेन का जन्म आंध्रप्रदेश के हैदराबाद में 19 नवंबर 1975 को हुआ था. सुष्मिता सेन के पिता सुबीर सेन एयर फोर्स में विंग कमांडर थे, जबकि मां शुभरा सेन ज्वैलरी व्यवसाय से ताल्लुक रखती थीं. सुष्मिता सेन ने वर्ष1994 में मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, जिसमें वह प्रथम चुनी गयी. इसके बाद वर्ष 1994 में सुष्मिता सेन मिस यूनिवर्स चुनी गयी. सुष्मिता सेन ने अपने सिने करियर की शुरूआत वर्ष 1996 में प्रदर्शित फिल्म दस्तक से की, लेकिन यह फिल्म कोई खास कमाल नहीं दिखा सकी.इसके बाद सुष्मिता सेन को वर्ष 1997 में सन्नी देओल के अपोजिट जोर में काम करने का अवसर मिला, लेकिन यह फिल्म भी टिकट खिड़की पर असफल साबित हुयी.

वर्ष 1999 सुष्मिता सेन के करियर के लिये अहम साल साबित हुया. इस वर्ष उनकी बीबी नंबर वन और सिर्फ तुम जैसी सुपरहिट फिल्में प्रदर्शित हुई. बीबी नंबर वन के लिए सुष्मिता सेन को सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार के लिये सम्मानित किया गया. वहीं, सिर्फ तुम के लिये इसी श्रेणी में नामांकित किया गया. वर्ष 2002 में सुष्मिता सेन को मेघना गुलजार निर्देशित फिल्म फिलहाल में काम करने का अवसर मिला.मेघना गुलजार की यह पहली निर्देशित फिल्म थी. इस फिल्म में अपने दमदार अभिनय के लिये सुष्मिता सेन को एक बार फिर से सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार के लिये नामांकित किया गया. वर्ष 2004 में प्रदर्शित फिल्म मैं हूँ ना सुष्मिता सेन के करियर की महत्वपूर्ण फिल्मों में शुमार की जाती है. इस फिल्म में सुष्मिता सेन को पहली बार किंग खान शाहरूख खान के साथ काम करने का अवसर मिला.

फराह खान के निर्देशन में बनी यह फिल्म सुपरहिट साबित हुई. वर्ष 2005 में सुष्मिता सेन ने सलमान खान के साथ मैने प्यार क्यू किया जैसी सुपरहिट फिल्म में भी काम किया.इसके बाद सुष्मिता की कई फिल्में प्रदर्शित हुई, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हुयी. सुष्मिता सेन की फिल्म वर्ष 2010 में नो प्रॉब्लम प्रदर्शित रिलीज हुई. सुष्मिता सेन ने अपने सिने करियर में करीब 40 फिल्मों में काम किया है. उनके करियर की अन्य फिल्मों में हिंदुस्तान की कसम, क्योंकि मैं झूठ नहीं बोलता, आंखें, तुमको ना भूल पायेंगे आदि शामिल है.

परिणीति चोपड़ा के बेबी बॉय का नाम नीर

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा और आम आदमी पार्टी के युवा नेता राघव चड्ढा ने अपने जीवन के सबसे भावुक और खुशी भरे पलों में से एक को अपने फैंस के साथ साझा कर दिया है. कपल ने बुधवार सुबह अपने बेटे की पहली झलक सोशल मीडिया पर पोस्ट की, जिसके साथ उन्होंने बच्चे के सुंदर नाम से भी पर्दा उठाया.

19 अक्टूबर को जन्मे बेबी बॉय के एक महीने पूरे होने पर दोनों ने पहली बार अपनी फैमिली तस्वीरें साझा कीं, जिनमें कपल अपने नन्हे बच्चे के छोटे-छोटे पैरों को प्यार से थामे नजर आ रहा है. तस्वीरों के साथ लिखे गए कैप्शन ने पोस्ट की खूबसूरती को और बढ़ा दिया. कपल ने बेटे का नाम 'नीर' बताया और उसके अर्थ को संस्कृत की कोमल पंक्तियों में समझाया— 'जलस्य रूपम्, प्रेमस्य स्वरूपम् — तत्र एव नीर', यानी पानी का रूप और प्रेम का सार. यह नाम जितना सरल है, उतना ही गहरा अर्थ भी रखता है, जिससे फैंस खासे प्रभावित हुए. नीर की तस्वीरें सामने आते ही सोशल मीडिया पर बधाइयों और शुभकामनाओं की बाढ़ सी आ गई. यह पोस्ट न केवल कपल के लिए बल्कि उनके चाहने वालों के लिए भी बेहद खास बन गई है. उधर, कपल की लव स्टोरी भी उतनी ही सुंदर है.

मनुष्य की सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा : ऐश्वर्या

आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी में आयोजित दिवंगत आध्यात्मिक गुरु सत्य साईं बाबा के जन्म शताब्दी समारोह में बुधवार को बॉलीवुड अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को और भी विशेष बना दिया. यह आयोजन आध्यात्मिकता, मानवता और सेवा की भावना से ओतप्रोत रहा और मंच पर ऐश्वर्या का दिया गया वक्तव्य हर दिल को छू गया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस ऐतिहासिक अवसर के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. उनके सामने संबोधन देते हुए ऐश्वर्या ने साईं बाबा के संदेशों को याद कर कहा कि स्वामी जी हमेशा कहते थे— 'मनुष्य की सेवा ही ईश्वर की सेवा है.'

उन्होंने बताया कि यह संदेश उनके जीवन का आधार रहा है और उन्हें हमेशा मार्गदर्शन देता आया है. उन्होंने साईं बाबा के 5डी—अनुशासन, समर्पण, भक्ति, दृढ़ संकल्प और विवेक का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वामी जी की शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं थी, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाली थी.

ऐश्वर्या ने साईं संस्थान की स्वास्थ्य सेवाओं, पेयजल परियोजनाओं और आपदा राहत कार्यों को मानवता की मिसाल बताया. साईं संस्थान द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों में मुफ्त विश्वस्तरीय चिकित्सा, पेयजल आपूर्ति योजनाएं और वैश्विक आपदा राहत कार्य मानवता की सबसे बड़ी मिसाल हैं.

क्योंकि सास भी कभी बहू थी में बड़ा ट्विस्ट!

स्मृति ईरानी के मशहूर शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में इन दिनों कहानी ऐसी दिशा में जा रही है, जहां हर किरदार किसी न किसी टूटन और बड़े संकट का सामना कर रहा है. मिहिर, तुलसी, नॉयना और अंगद— चारों की जिंदगी में ऐसा मोड़ आने वाला है जो आगे कई रिश्तों को गहराई से हिलाकर रख देगा. नॉयना ने मिहिर को पूरी तरह अपनी बातों में फंसाने का प्लान बना लिया है, दूसरी तरफ तुलसी को घर में बेचैनी घेर लेगी. उसे महसूस होगा कि मिहिर किसी बड़ी मुसीबत में फँस चुका है और उसकी शादी संकट में है. नॉयना के करीब जाता मिहिर तुलसी के दिल में चुभन छोड़ देगा, जिससे वह लगातार चिंतित रहेगी. इधर, अंगद की जिंदगी भी पटरी से उतरने वाली है. वृंदा के घर में रहने के बाद अंगद को एहसास होगा कि उसके बुरे दिन शुरू हो गए हैं. वह अपनी मां और परिवार की चिंता में डूबा रहेगा, लेकिन वृंदा उसका सहारा बनने की पूरी कोशिश करेगी. हालांकि मिताली जल्द एक नए प्लान के साथ एंट्री मारने वाली है, जो अंगद-वृंदा की जिंदगी को और मुश्किल बना देगा. इसके बाद मिहिर परी और रणविजय की शादी करवाने निकलेगा, लेकिन वह तुलसी को धमकी देकर कहेगा कि इस बार वह कोई रुकावट बर्दाश्त नहीं करेगा. शादी में मिहिर नॉयना के करीब रहेगा, जिससे तुलसी का दिल और टूट जाएगा और वह अकेले रणविजय को एक्सपोज करने निकल पड़ेगी.

किरदार ने मुझे बहुत सी रेसिपीज़ सिखा दी हैं : सृष्टि जैन

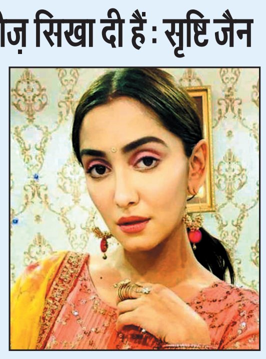

ज़ी टीवी के शो गंगा माई की बेटियां के सेट पर रसोई से जुड़े सीन बेहद दिलचस्प और मज़ेदार होते हैं. इस शो में बड़ी बेटी सहाना का रोल निभा रहीं सृष्टि जैन इन दृश्यों में न सिर्फ पारंपरिक व्यंजन बनाना सीख रही हैं, अपना अनुभव बताते हुए सृष्टि कहती हैं, सहाना के रोल के ज़रिए खाना बनाना सीखते हुए मुझे बहुत खुशी मिल रही है. यह एक हुनर है जिसे मैं सेट पर हर दिन और बेहतर कर रही हूं. लाइट्स के बीच हर चीज़ को परफेक्ट बनाना कभी-कभी मुश्किल हो जाता है, लेकिन जब सीन पूरा होता है, तो एक अलग ही सुकून मिलता है. इससे मुझे सहाना की सादगी और अपने परिवार के लिए उसके प्यार को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलती है. और हां, मैंने कभी नहीं सोचा था कि एक्टिंग के साथ-साथ मैं सेट पर शेफ भी बन जाऊंगी, क्योंकि सहाना ने तो मुझे कई रेसिपी सिखा दी हैं, जिन्हें मैं अपने घर की रसोई में भी बार बार बनाती हूं! इस अनुभव की खास बात यह है कि गंगा माई की बेटियां की रसोई किसी आम सेट की तरह नकली नहीं है. यहां सबकुछ बिल्कुल असली है बर्तन, चूल्हा, मसाले, और सारा इंतज़ाम. इससे कलाकारों को असली माहौल में काम करने का मौका मिलता है और हर सीन और भी सच्चा लगता है.

एक्शन फिल्म में दम दिखाने को तैयार अहान पांडे

अभिनेता अहान पांडे ने अपनी ब्लॉकबस्टर डेब्यू फिल्म 'सैयारा' से दर्शकों के दिलों में जो जगह बनाई, वह किसी भी नए कलाकार के लिए एक सपने जैसा रहा है. अब अहान अपने करियर की दूसरी और बेहद महत्वाकांक्षी फिल्म की तैयारी में जुट चुके हैं, जिसका निर्देशन टाइगर जिंदा है और सुल्तान जैसी सुपरहिट फिल्मों के निर्माता अली अब्बास जफर कर रहे हैं. यह फिल्म एक रोमांटिक-एक्शन थ्रिलर होगी, जिसमें अहान को पूरी तरह नए अवतार में दिखाया जाएगा—एक ऐसे रूप में, जैसा दर्शकों ने अब तक उनसे उम्मीद भी नहीं की.

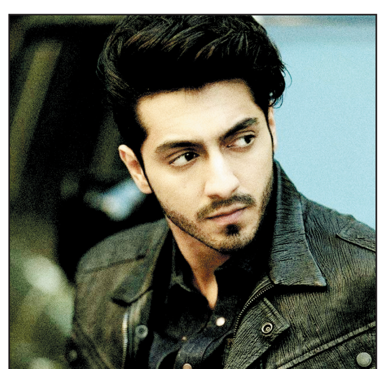

निर्देशक अली अब्बास जफर अहान को बड़े पर्दे पर एक बिल्कुल अलग और अधिक शक्तिशाली लुक में पेश करना चाहते हैं. इसी लक्ष्य के लिए अहान ने अपने रूटीन में भारी बदलाव किए हैं. वह हर दिन पांच घंटे की ट्रेनिंग करते हैं, जिसमें हाई-इंटेंसिटी बॉक्सिंग से लेकर मिक्स मार्शल आर्ट्स के उन्नत तकनीक तक शामिल हैं. उनकी ट्रेनिंग केवल शारीरिक मजबूती तक सीमित नहीं है; उन्हें एक्शन को स्वाभाविक और सिनेमैटिक दोनों तरीकों से प्रस्तुत करना आना चाहिए. इस तैयारी के लिए उन्हें खास डाइट प्लान दिया गया है जिसमें वजन बढ़ाना, मांसपेशियों का विकास और सहनशक्ति बढ़ाना मुख्य लक्ष्य है. बताया जा रहा है कि फिल्म में अहान के कई महत्वपूर्ण फाइट सीन होंगे जिन्हें बिना बॉडी डबल के शूट करने की योजना बनाई जा रही है. इसके लिए टीम चाहती है कि वह न केवल फिट दिखें बल्कि एक्शन को विश्वसनीय तरीके से परफॉर्म भी कर सकें.

फिल्म में अभिनेत्री शरवरी वाघ भी अहम भूमिका में नजर आएंगी. उनकी और अहान की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को लेकर भी दर्शक खासे उत्साहित हैं. यशराज फिल्म्स (वाईआरएफ) द्वारा निर्मित यह फिल्म अगले साल फरवरी से इंग्लैंड में शूट की जाएगी, जहां कई बड़े पैमाने के एक्शन सेट पीस फिल्माए जाएंगे.'सैयारा' की अभूतपूर्व सफलता के बाद अब सभी की नजरें अहान की इस दूसरी फिल्म पर टिकी हुई हैं. माना जा रहा है कि यह प्रोजेक्ट उन्हें बॉलीवुड के उभरते हुए एक्शन स्टार्स में प्रमुख स्थान दिला सकता है.

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर का ट्रेलर रिलीज

जियो स्टूडियोज़ और बी62 स्टूडियोज़ ने फिल्म 'धुरंधर' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज कर दिया है. वास्तविक घटनाओं पर बनी फिल्म धुरंधर साल के अंत की सबसे बड़ी और सबसे दमदार रिलीज़ मानी जा रही है. यह एक ऐसी रोमांचक कहानी है जो गुप्त एजेंटों की खतरनाक दुनिया को दिखाती है जहाँ हर फैसला जानलेवा हो सकता है और देश की लड़ाई चुपचाप लड़ी जाती है.

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक आदित्य धर,इस बार एक भव्य और तेज-तर्रार कहानी लेकर आए हैं. रणवीर सिंह इसमें अपने अब तक के सबसे ज़बरदस्त रूप में दिख रहे हैं. उनके साथ संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल जैसे बड़े कलाकार और सारा अर्जुन अपनी पहली भूमिका में नजर आएँगी. रणवीर सिंह ने कहा, 'हमने एक ऐसा

चलचित्र बनाने की कोशिश की है जो दुनिया की किसी भी बड़ी फिल्म की बराबरी करे. यह कच्ची है, तीखी है और पूरी तरह भारतीय है.आदित्य ने इस कहानी को बहुत खूबसूरती से संभाला है यह जटिल भी है और रोमांचक भी. बेहतरीन तकनीक और

अदिवी सेश का नया मूंछों वाला रूप

अभिनेता अदिवी सेश, जो अपनी दो बहुप्रतीक्षित फिल्मों डकैत और जी2 की तैयारी में लगे हैं, हाल ही में अपने नए रूप के कारण चर्चा में आ गए.

अदिवी सेश हाल ही में हैदराबाद के एक समारोह में दिखाई दिए, जहां उन्होंने मोटी, पुराने ज़माने की शैली वाली मूंछें रखी हुई थीं. उनका यह नया अंदाज़ देखते ही दर्शकों में उत्सुकता बढ़ गई और लोग अंदाज़ लगाने लगे कि यह रूप

उनकी किस नई भूमिका के लिए है. उनके रूप की तस्वीरें साझा की जाने लगीं और कई लोग यह समझने की कोशिश करने लगे कि आखिर यह नया परिवर्तन किस परियोजना के लिए है. किरदारों के प्रति अपनी गंभीरता और पूरी तरह रूपांतरण की तैयारी के लिए जाने जाने वाले आदिवि सेश का यह नया अंदाज़ शहर में चर्चा का विषय बन गया है.

अपने नए लुक और उस पर हो रही चर्चा को लेकर सेश ने कहा, 'यह रूप डकैत के एक खास कार्यक्रम के लिए है, जिसकी शूटिंग हम इन दिनों कर रहे हैं. फिल्म के एक हिस्से के लिए मुझे बिल्कुल बदला हुआ दिखना ज़रूरी था, इसलिए यह नया रूप चुना. यह एक रोचक पिछली कहानी वाला हिस्सा है और मैं कुछ ऐसा करना चाहता था जो लोगों को अपनापन दे और जिसे

मेटा का नया क्रिएटिव वीडियो एडिटिंग ऐप एडिट्स

मेटा प्लैटफ़ॉर्म्स के लोकप्रिय इंस्टाग्राम के क्रिएटर्स अब एडिट्स ऐप का इस्तेमाल कर अपने वीडियो और रील्स को और भी आकर्षक बना सकते हैं. यह ऐप मोबाइल पर फोटो और शॉर्ट वीडियो एडिटिंग के लिए डिज़ाइन किया गया है और इसमें कई आधुनिक एआई फीचर्स हैं, जो खासकर कंटेंट क्रिएटर्स के लिए मददगार हैं.

ऐप में ग्रीन स्क्रीन, एआई एनिमेशन, रियल-टाइम आंकड़े , और इंस्टाग्राम अकाउंट से डायरेक्ट वीडियो इम्पोर्ट/एक्सपोर्ट जैसी सुविधाएं मौजूद हैं. एडिट्स ऐप आईओएस और एंड्रॉइड दोनों प्लेटफ़ॉर्म्स पर उपलब्ध है और 32 से ज्यादा भाषाओं का समर्थन करता है. ऐप में उपयोगकर्ता वीडियो को एचडी, 2के, 4के रिज़ॉल्यूशन में एक्सपोर्ट कर सकते हैं, साथ ही एचडीआर और एसडीआर मोड भी उपलब्ध हैं. इसके अलावा ऐप में बेसिक संपादन जैसे स्प्लिट, वॉल्यूम एडजस्ट, स्पीड कंट्रोल के साथ एडवांस फीचर्स जैसे ग्रीन स्क्रीन, फंक्शन, वॉइस ऑडियो एक्सट्रैक्ट आदि शामिल हैं. एडिट्स ऐप में डायरेक्ट रिकॉर्डिंग फीचर भी है, जिससे यूज़र बिना किसी एक्स्ट्रा सॉफ्टवेयर के सीधे वीडियो बना सकते हैं. आने वाले समय में ऐप में कीफ्रेम, एआइ आधारित मॉडिफिकेशन, सहयोग और एन्हांस्ड क्रिएटिविटी जैसे फीचर्स भी आने वाले हैं.

3-आई एटलस : ब्रह्मांड का रहस्यमयी ब्लैक स्वान

ब्रह्मांड की असीमित गहराइयों से आया रहस्यमयी इंटरस्टेलर ऑब्जेक्ट 3-आई एटलस (सी/2025 एन1) अब वैज्ञानिकों की सबसे बड़ी पहेली बन चुका है. इसे 'ब्लैक स्वान' घटना तक कहा जा रहा है—ऐसी घटना, जिसकी संभावना बेहद कम होती है, लेकिन इसमें कोई असाधारण तथ्य छिपा हो तो पूरी वैज्ञानिक समझ को बदल सकती है.

दुनिया भर के खगोलविद इस अनोखी वस्तु की विचित्र चाल, असामान्य गति, अनोखी रासायनिक संरचना और संभावित गैर-प्राकृतिक संकेतों को लेकर विशेष अभियान चला रहे हैं. माइनर प्लैनेट सेंटर और इंटरनेशनल ऐस्टरॉइड वॉर्निंग नेटवर्क ने 27 नवंबर 2025 से 27 जनवरी 2026 तक वैश्विक अवलोकन अभियान शुरू किया है. यह पहली बार है जब किसी इंटरस्टेलर आगंतुक के लिए विश्व स्तर पर समन्वित मिशन चलाया जा रहा है.

वैश्विक मिशन में वैज्ञानिकों का फोकस तीन मुख्य पहलुओं पर है—पथ , रासायनिक संरचना, और संभावित तकनीकी संकेत. जुलाई-अगस्त 2025 में इसकी गैस धारा में अत्यधिक निकेल-टू-साइनाइड अनुपात पाया गया, जबकि पानी की मात्रा मात्र 4% निकली—जो किसी सामान्य धूमकेतु में नहीं होती. इससे इसकी उत्पत्ति पर नए प्रश्न खड़े हो गए हैं. वैज्ञानिक इसे एक दुर्लभ 'ब्लैक स्वान' इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि इसकी कक्षा लगभग सौरमंडल के सौर तल से मेल खाती है जो अंतरतारकीय वस्तुओं में सांख्यिकीय रूप से अत्यंत दुर्लभ है.

हार्वर्ड के प्रसिद्ध खगोल भौतिकी प्रोफेसर अवी लोएब ने इस ऑब्जेक्ट को गंभीरता से जांचने की अपील की है. उनका कहना है 'कम संभावना वाले संकेत भी अनदेखे नहीं किए जाने चाहिए, क्योंकि उनके परिणाम अत्यंत गहरे हो सकते हैं. '3-आई एटलस की असामान्य उड़ान, सूर्य की ओर अजीब जेट गतिविधि, और असामान्य रासायनिक संरचना इसे और भी रहस्यमयी बना रही है.

वैज्ञानिक मानते हैं कि आने वाले महीनों में यह ऑब्जेक्ट इंटरस्टेलर ब्रह्मांड के नए राज खोल सकता है. 'ओउमुआमुआ' और 'बोरिसोव' जैसे पहले देखे गए इंटरस्टेलर ऑब्जेक्ट्स के विपरीत, 3-आई एटलस कई असामान्य व्यवहारों का प्रदर्शन कर रहा है. इसकी गति साधारण धूमकेतुओं से कहीं अधिक है, इसकी संरचना भारी प्रतीत होती है और यह सूर्य की ओर एक अजीब 'सनवर्ड जेट' छोड़ता हुआ देखा गया है जो अब तक किसी भी अंतरिक्षीय वस्तु में नहीं मिला.

ओप्पो फाइंड एक्स9 और ओप्पो फाइंड एक्स9 प्रो भारत में लॉन्च

ओप्पो फाइंड एक्स9 और फाइंड एक्स9 प्रो ओप्पो का नया प्रमुख स्मार्टफोन श्रेणी है. इसमें मीडियाटेक डिमेंसिटी 9500 चिपसेट है और दोनों फोन एंड्रॉयड 16 पर आधारित कलरओएस 16 पर चलते हैं.

फाइंड एक्स9 में 6.59-इंच एमोलेड स्क्रीन है, जबकि प्रो में 6.78-इंच एमोलेड स्क्रीन है. दोनों स्क्रीन में 120हर्ट्ज रिफ्रेश दर, 3,600 निट्स पीक ब्राइटनेस और गोरिल्ला ग्लास विक्टस 2 सुरक्षा है.

फोटोग्राफी के लिए फाइंड एक्स9 में हैसलब्लैड-ट्यून ट्रिपल पीछे कैमरा सेटअप है - 50मेगापिक्सल ओआईएस वाइड कैमरा, 50 मेगापिक्सल अल्ट्रावाइड कैमरा और 50 मेगापिक्सल ओआईएस टेलीफोटो कैमरा. प्रो वर्ज़न में प्राइमरी 50 मेगापिक्सल सोनी कैमरा, 50 मेगापिक्सल अल्ट्रावाइड सैमसंग आईएस ओसेल और 200मेगापिक्सल टेलीफोटो कैमरा है. सामने कैमरा फाइंड एक्स9 में 32मेगापिक्सल और प्रो में 50मेगापिक्सल है.

कैमरा सिस्टम ओप्पो के लुमो इमेजिंग इंजन से कम्प्यूटेशनल फोटोग्राफी सपोर्ट करता है. बैटरी में फाइंड एक्स9 में 7,025 एमएएच और फाइंड एक्स9 प्रो में 7,500 एमएएच है. दोनों में 80 डब्ल्यू वायर्ड फास्ट चार्जिंग, 50 डब्ल्यू एयरवूक वायरलेस चार्जिंग और10 डब्ल्यू रिवर्स वायरलेस चार्जिंग है. स्टोरेज और रैम: फाइंड एक्स9 में 12 जीबी + 256 जीबी और 16 जीबी + 512 जीबी विकल्प हैं, जबकि फाइंड एक्स9 प्रो में 16 जीबी + 512 जीबी है.

कनेक्टिविटी में ब्लूटूथ 6.0, वाई-फाई 7, एनएफसी, यूएसबी टाइप-सी, जीपीएस और 3डी अल्ट्रासोनिक फिंगरप्रिंट सेंसर शामिल हैं. ओप्पो फाइंड एक्स9 सीरीज की बिक्री 21 नवंबर 2025 से शुरू होगी.

छोटे साइज में विशाल शक्ति : क्वांटम कंप्यूटर

ब्रिटेन की स्टार्टअप कंपनी क्वांटम मोशन ने दुनिया का पहला सिलिकॉन आधारित क्वांटम कंप्यूटर विकसित किया है, जिसे बनाने में वही सीएमओएस तकनीक इस्तेमाल हुई है जो आजकल के स्मार्टफोन, लैपटॉप और डिजिटल कैमरों में पाई जाती है. यह नई मशीन केवल तीन 19-इंच सर्वर रैकों में फिट हो सकती है और इसमें डायल्यूशन फ्रिजरेटर और कंट्रोल इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल हैं, जो क्यूबिट्स की नाजुक क्वांटम स्थिति बनाए रखने में मदद करते हैं. इस सिस्टम में स्पिन-क्यूबिट्स का उपयोग किया गया है, जो इलेक्ट्रॉन के स्पिन में क्वांटम जानकारी को एन्कोड करते हैं.

क्वांटम मोशन का कहना है कि यह पहला कदम है, जो आने वाले दशक में व्यावसायिक रूप से उपयोगी क्वांटम कंप्यूटरों की दिशा में अग्रसर करेगा. मॉड्यूलर क्यूपीयू डिज़ाइन और सटीक दो-क्यूबिट गेट्स के कारण यह सिस्टम भविष्य में लाखों क्यूबिट तक स्केल किया जा सकता है. कंपनी का उद्देश्य फॉल्ट-टॉलरेंट और बड़े पैमाने पर उत्पादन योग्य क्वांटम कंप्यूटर बनाना है, जिससे क्वांटम कंप्यूटिंग

तकनीक तेजी से आम हो सके. क्वांटम मोशन का नया कंप्यूटरयूके नेशनल क्वांटम कंप्यूटिंग सेंटर (एनक्यूसीसी) में तैनात किया गया है. इस कंप्यूटर के निर्माण में यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के साथ सहयोग किया गया, जहां शोध में दो-क्यूबिट गेट्स में 98% सटीकता हासिल की गई, जो दुनिया में सिलिकॉन पर आधारित क्यूबिट्स के लिए सबसे उच्च मानक है.

टाइल आर्किटेक्चर लागू किया गया है, जिससे प्रत्येक चिप को आसानी से अपग्रेड या रिप्लेस किया जा सकता है. सिस्टम के साथ यूजर इंटरफेस और कंट्रोल सॉफ़्टवेयर भी उपलब्ध है, जो उच्च स्तरीय क्वांटम एल्गोरिद्म को फिजिकल क्यूबिट्स पर लागू करता है. सिस्टम न केवल शोध के लिए है, बल्कि आने वाले वर्षों में व्यावसायिक क्वांटम कंप्यूटिंग के लिए आधार भी तैयार करता है. भविष्य में लाखों क्यूबिट्स के साथ बड़े पैमाने पर क्वांटम कंप्यूटर संभव होंगे, जो विज्ञान, वित्त, दवा और सामग्री विज्ञान जैसे क्षेत्रों में क्रांति ला सकते हैं.